देवीम् अभ्यषिञ्चत पावकाः (v. gr. min. 80. annot. 1). *Praesertim augurationis causâ alqm conspergere.* SA. 7. 11.: ततो ऽभिषिषिचुः … धुमत्सेनम् पुरोहिताः· *Cum* 2. acc. R. Schl. I. 1. 79.: अभ्यषिञ्चत् स लङ्कायां राक्षसेन्द्रं विभीषणम्; I. 38. 30.: सुरसेनागणपतिम् अभ्यषिञ्चन् महाद्युतिम्· *C. loc. rei.* MAH. 1. 5178.: अभिषेक्ष्यति मां राज्ये; 3. 14424.: सैनापत्ये ऽभिषिञ्च माम्· *C. instr. rei.* MAH. 1. 1470.: पतत्रीणाञ्च गरुडम् इन्द्रत्वेना 'भ्यषिञ्चयत· — *ATM. c. sgnf. Pass.* MAH. 3. 14423.: अभिषिञ्चस्व देवानां सैनापत्ये; 14414.: भवस्वे 'न्द्रः … अभिषिञ्चस्वच· — *Caus.* facere ut quis inaugurationis causâ conspergatur. R. Schl. II. 9. 2. — *Etiam i. q. primit.* SA. 7. 11. *b. c. loc. rei.*: पुत्रञ्चा 'स्य … यौवराज्ये ऽभ्यषेचयन् (पुरोहिताः)·

c. अव conspergere. SU. 4. 19.: रुधिरेणा 'वसिक्ताङ्गी·

c. आ *Caus.* infundi jubere. MAN. 8. 272.: तप्तम् आसेचयत् तैलं वक्त्रे·

c. नि *i. q. simpl.* R. Schl. II. 63. 7. RAGH. 3. 26.

c. प्र profundere, effundere. MAH. 3. 14767.: कथन्नु भिद्येत नच स्रवेत नच प्रसिच्येद् इति रक्षितव्यम् (*Pass. c. term. PAR.*)

c. सम् conspergere. R. Schl. I. 5. 8.

सिट् 1. *P.* (अनादरे) parvi aestimare. *Cf.* शिट्, सुट्ट्·

सित 1) (a r. सि) ligatus, v. सि· 2) (a r. सो) finitus. 3) (incertae orig.) albus.

सिद्ध v· सिध्·

सिद्धि *f.* (r. सिध् s. ति) successus. BH. 2. 48. 4. 22.

1. **सिध्** 4. *P.* perfici, succedere, procedere, feliciter evenire. HIT. 6. 13.: यत्ने कृते यदि न सिध्यति को ऽत्र दोषः; 6. 16.: पुरुषकारेण विना दैवन् न सिध्यति· Felicem fieri. MAH. 3. 29.: असतां दर्शनात् … प्रहीयन्ते सिध्यन्ति नच मानवाः· *De sagittis,* icere. SAK. 32. 7.: उत्कर्षः स धन्विनां यद् इषवः सिध्यन्ति लक्ष्ये चले· *Cf.* साध्· — सिद्ध 1) paratus. N. 23. 22.: नलसिद्धस्य मांसस्य· 2) perfectus, beatus, sanctus. SU. 2. 17.: तपःसिद्धाः; BH. 10. 26. 3) *Subst. m.* nomen Geniorum ordinis. IN. 1. 35. 2. 10. 31. 5. 13.

c. प्र *i. q. simpl.* BH. 3. 55. *C. abl.* provenire, oriri *ex aliquâ re.* MAN. 12. 97.: वेदात् प्रसिध्यति (cf. sl. 98.: वेदात् प्रसूयन्ते)· — प्रसिद्ध perfectus. HIT. 96. 12.

c. सं perfici, felicem, beatum fieri. MAN. 2. 87.: जप्येनै 'व तु संसिध्येद् ब्राह्मणः (schol. सिद्धिं लभते); MAH. 3. 12025.: — *ATM.* A. 4. 34.: संसिध्यस्व महाबाहो·

2. **सिध्** 1. *P.* ut videtur, *primitive* ire, abire, inde *c. sensu Caus.* (v. 3. सिध् et cf. साध् *Caus.*) arcere. RIGV. 17. 12.: अग्नी रक्षांसि सेधति; 34. 11.: सेधतं द्वेषः «cohibete osores»; 32. 13.

c. अप *id.* RIGV. 35. 10. *Etiam ATM.* DR. 5. 5.: नागम् प्रभिन्नम् … दण्डी 'व यूथाद् अपसेधसे·

c. नि arcere. RAGH. 2. 4. Retinere, *i. e.* ab abeundo arcere. RAGH. 5. 18.: प्रतियातुकामम् … निषिध्य·

c. प्रति arcere. SA. 4. 21.: गमनेच कृतोत्साहाम् प्रतिषेद्धुन् न मा 'र्हसि; MAN. 2. 206. Prohibere, vetare. RAM. ed. Ser. II. 60. 59.: प्रतिषिध्य प्रबोधकनिस्वनम्· *Caus.* arcere. R. Schl. II. 96. 42.: तञ् च काकम् प्रत्यषेधयत्; MAH. 1. 1594.: शपन्तीम् प्रत्यषेधयत्·

3. **सिध्** 1. *P.* (गत्याम्) ire.

c. परि परिसिध्, servato primitivo स्, circumire. BHATT. 9. 88.: द्विषो घ्नन् परिसेधतः·

सिन्धु *m.* 1) Indus flumen. 2) *Plur.* regio ad Indum. DR. 1. 6. N. 19. 14.

सिभ्, सिम्भ् 1. *P.* (दीप्तौ हिंसे) splendere; laedere, occidere. *Cf.* शुभ्, शुम्भ्, सुभ्, सुम्भ्, सृभ्, सृम्भ्, स्रिभ्, स्रिम्भ्·

सिल् 6. *P. i. q.* शिल्·

सिव् 4. *P.* सीव्यामि (gr. 331[a].) suere. *Part. pass.* स्यूत· RIGV. 31. 15.: वर्मे 'व स्यूतम्· (Goth. *siuja* suo, *siujith* suit Marc. 2. 21.; germ. vet. *siwu* suo, sarcio, consuo, praet. *siwita* et *sûta*; *siut* sutura, *sutari* sutor, *saum* limbus, ora, sarcina, sagma, *siwila* subula; slav. *s'ivû* suo, lith. *suwù* suo, infin. *sú-ti*; *sulê* sutura; lat. *suo*; gr. κασσύω.)

1. **सीक्** 1. *A. i. q.* 1. शीक्·